हरदोई

अमर उजाला

कानपुर

सोमवार। 23 अप्रैल 2018

फैलेगा शिक्षा का उजियारा, चमकेगा अक्षर तारा

कछौना विकास खंड के पांच गांवों की 1500 महिलाएं बनेंगी साक्षर, 502 ने 56 दिन में पूरी की पढ़ाई

खास खबर

आनंद मिश्रा

हरदोई।

गृहस्थी संभालना उन्हें बखूबी आता है। रिश्तों को सहेजने में भी वह अव्वल रहती हैं लेकिन बात अक्षर ज्ञान की हो तो वह पीछे रह जाती हैं। लेकिन अब अक्षर और गणित का तारा उनके जीवन में अशिक्षा का अंधेरा दूर कर रहा है। जिले के कछौना विकास खंड के पांच गांवों की निरक्षर महिलाओं को एक विशेष पद्धति अपनाकर साक्षर बनाने की मुहिम शुरू हो गई है। फिलहाल पांच गांवों की 502 महिलाओं को साक्षर बनाया गया है। पांच गांवों में चिह्नित की गईं 1500 महिलाओं को गणित और अक्षर ज्ञान दिया जाएगा।

कहते हैं कि महिलाएं शिक्षित हों तो पूरी पीढ़ी में ही बदलाव ला सकती हैं। कुछ इसी मंशा के साथ शुरू हुई कवायद हकीकत की जमीन पर उतरने लगी है। कछौना विकास खंड के ग्राम गौरी खालसा, मुसलमानाबाद, कहली, बघौड़ा और ज्ञानपुर में एचसीएल फाउंडेशन और तारा अक्षर तारा गणित ज्ञान संस्था ने निरक्षर महिलाओं का सर्वे किया था। सर्वे के मुताबिक इन गांवों में 1900 महिलाएं निरक्षर हैं। इनमें से 1500 को साक्षर बनाने की कोशिश शुरू की गई है। 56 दिन का विशेष प्रशिक्षण महिलाओं को साक्षर बनाने के लिए दिया जा रहा है। 38 दिन तक दो-दो घंटे हिंदी का अक्षर ज्ञान दिया जाएगा। जबकि 18 दिन गणित का ज्ञान कराया जाएगा। प्रोग्राम कोआर्डिनेटर अकील अहमद ने बताया कि एक से 100 तक अंक गुणा, भाग, घटाना, जोड़ना, पहाड़े सिखाए जाएंगे।

अक्षर तारा की क्लास में गणित का ज्ञान हासिल करतीं महिलाएं।

तैयार किए जा रहे हैं प्रशिक्षक

महिलाओं के जीवन में अक्षर तारा से उजाला लाने के लिए प्रशिक्षक तैयार किए गए हैं। ये 15 केंद्रों पर प्रशिक्षण देते हैं। 12-12 महिलाओं का एक बैच होता है। एक बैच प्रत्येक दिन दो घंटे पढ़ाई कराता है। हर रोज तीन बैच संचालित किए जाएंगे। तारा अक्षर और तारा गणित का स्मरण सूत्र स्टेट रिसोर्स सेंटर से मान्य है। सभी प्रशिक्षकों को एक-एक लैपटॉप भी दिया गया है। जिसके जरिए वह आसानी से निरक्षर महिलाओं को पढ़ा सकेंगे।

उनको ज्ञान, इनको रोजगार

निरक्षर महिलाओं के जीवन में अक्षर तारा आएगा तो इसमें सहायक बने साक्षरों के लिए रोजगार की राह भी खुली है। प्रशिक्षक भी कछौना विकास खंड के ही हैं और इन सभी को 8 हजार रुपये प्रतिमाह के हिसाब से मानदेय भी दिया जाएगा।

कछौना विकास खंड की ग्राम पंचायत गौरी खालसा की रहने वाली मिथलेश निरक्षर थीं। 56 दिनों तक अक्षर तारा की कक्षाओं में ज्ञान अर्जित करने के बाद अब वह खुद को पहले की अपेक्षा ज्यादा मजबूत पाती हैं। वह बताती हैं कि अब उन्हें हिसाब-किताब रखने में परेशानी नहीं होती।

मुसलमानाबाद निवासी पूनम ने बताया कि अक्षर तारा कार्यक्रम में जाने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। पूनम अब गणित के सामान्य गुणा भाग आसानी से कर लेती हैं। अपने गांव के छोटे बच्चों को गणित की जानकारी देतीं हैं तो अपना नाम लिखकर भी दिखाती हैं।

ज्ञानपुर निवासी रानी भी अक्षरतारा कार्यक्रम से संतुष्ट नजर आईं। उन्होंने बताया कि अब रोजमर्रा के हिसाब-किताब वह खुद ही रख लेती हैं। पहले याद रखना पड़ता था, लेकिन अब एक डायरी बना ली है और उसी में सब कुछ दर्ज रहता है। परेशानी नहीं होती।

उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार
पढ़ कर देखें
अजीत समाचार
एजेंसी मैनेजर

अजीत समाचार
AJIT SAMACHAR जालंधर, सोमवार, 19 अप्रैल, 2018, 6 बैसाख, विक्रमी सम्वत् 2075, (पृष्ठ : 16) मूल्य : ₹ 3.00
Regd.No. PB/JL-139/2018-20 | वर्ष : 23, अंक : 107 | www.ajitsamachar.com | youtube.com/ajitsamacharhindi | facebook.com/ajitsamachar | samachar@ajitjalandhar.com

अजीत समाचार
कम खर्च में अधिक प्रचार
विज्ञापन मैनेजर

तारा अक्षर प्लस कार्यक्रम में 840 महिलाएं हुई साक्षर

भगवानपुर, 19 अप्रैल (केपी सिंह/पुष्पेंद्र सिंह): कर्नल एमएस अहलूवालिया ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि एडेवलपमेंट ऑल्टरनेटिव नई दिल्ली एवं विलेज डेवलपमेंट सोसायटी भगवानपुर के तत्वाधान से ब्लॉक भगवानपुर के अट्ठाइस गांव में तारा अक्षर प्लस कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसमें आठ सौ चालीस महिलाओं को साक्षर किया गया। इन महिलाओं को शुरुआत में एक किट प्रदान की जाती है। कंप्यूटर के माध्यम से इन्हें शिक्षित करने का काम किया जाता है। यह कार्य मात्र 56 दिनों में पूरा किया जाता है, जिसमें सभी महिलाएं अक्षरों की पहचान तथा पढ़ना सीख जाती हैं। यह कार्यक्रम देश के 8 राज्यों में चलाया जा रहा है, जिसमें अभी तक दो लाख से अधिक महिलाएं साक्षर हो चुकी हैं। जो महिलाएं आगे पढ़ना चाहती हैं। वह एनआईओएस के माध्यम से आगे की शिक्षा ग्रहण कर सकती हैं। 56 दिन की शिक्षा के पश्चात 6 माह का एक ज्ञान चौपाली कार्यक्रम चलाया जाता है। इससे संबंधित एव बैंक मित संपूर्ण तार अक्षर केंद्र की नव साक्षर महिलाएं और गांव की अन्य महिलाएं जिनको अक्सर का ज्ञान है, पर वो अच्छे से लिख पढ नहीं सकती। उनको पूर्ण साक्षर किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान भिन्न-भिन्न प्रकार की जानकारियां दी जाएंगी और बैंक से संबंधित, सरकारी योजनाओं, महिलाओं के अधिकार, बाल अधिकार, वित्तीय साक्षरता एवं एनआईओएस की परीक्षा की तैयारी कराई जाएगी। इस मौके पर कार्यक्रम समन्वयक राजीव पांडे, ब्लॉक समन्वयक राव, आस्कार अली, वरिष्ठ समाजसेवी वीडीएस के संस्थापक राजबहादुर सैनी, पारस सैनी आदि मौजूद रहे।

पत्रकारों से वात्रा करते कर्नल एमएस अहलूवालिया। (छायाः केपी सिंह)

चंडीगढ़
अजीत समाचार
AJIT SAMACHAR चंडीगढ़, मंगलवार, 10 अप्रैल, 2018, 28 चैत, विक्रमी सम्वत् 2075, (पृष्ठ : 16) मूल्य : ₹ 3.00
जालन्धर, चंडीगढ़ और बठिंडा से प्रकाशित

उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार
पढ़ना न भूलें
अजीत समाचार
एजेंसी मैनेजर

USA
पासपोर्ट
98145-11888
98148-11666

बारिश होने के बावजूद भी महिलाओं ने गणित की परीक्षा में बढ़ चढ़कर लिया हिस्सा

गणित परीक्षा में भाग लेती महिलाएं। (छाया: केपी सिंह)

भगवानपुर/नारसन, 9 अप्रैल (केपी सिंह/पुष्पेंद्र सिंह): डेवलपमेंट ऑल्टरनेटिव नई दिल्ली एवं विलेज डेवलपमेंट सोसायटी भगवानपुर के तत्वाधान से ब्लॉक भगवानपुर के ग्राम सीसोना मे तारा अक्षर प्लस कार्यक्रम के तहत गणीत की परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। यह कार्यक्रम भगवानपुर ब्लॉक के 28 गांव में चलाया जा रहा है। जिसमें आठ सौ चालीस महिलाओं को साक्षर किया गया। आज गणित के समापन पर सभी महिलाओं ने तारा गणित की परीक्षा में बढ़ चढ़कर भाग लिया।

क्षेत्र में सुबह से ही बारिश हो रही है मगर तारा अक्षर प्लस के कार्यकर्ताओं ने नव साक्षर महिलाओं की परीक्षा कराई। जिसमें प्रत्येक गांव से सभी महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम के तहत अब तक पूरे भारत में ढाई लाख से ज्यादा महिलाएं साक्षर हो चुकी हैं। इस कार्यक्रम के बाद इन महिलाओं के लिए ज्ञान चौपाली कार्यक्रम का प्रावधान किया गया है। छह माह के ज्ञान चौपाली कार्यक्रम के तहत तारा अक्षर केंद्र की नव साक्षर महिलाएं और गांव की अन्य महिलाएं जिनको अक्सर का ज्ञान है, पर वो अच्छे से लिख पढ़ नहीं सकती। उनको पूर्ण साक्षर किया जाएगा।

और कार्यक्रम के दौरान भिन्न-भिन्न प्रकार की जानकारियां दी जाएंगी। जैसे बैंक से संबंधित योजनाओं की जानकारी, सरकारी योजनाओं की जानकारी, महिलाओं के अधिकार, बाल अधिकार, वित्तीय साक्षरता एवं एनआईओएस की परीक्षा की तैयारी कराई जाएगी। इस मौके पर ब्लॉक समन्वयक राव, आस्कार अली वरिष्ठ समाजसेवी हरिद्वार, वीडीएस के संस्थापक राजबहादुर सैनी, पारस सैनी, नरेंद, हरबीर, तालीब, संगीता, अंजू, रेणु, कुलसुम, रीना आदि मौजूद रहे।

Right Bulletin
हरपल आपके साथ

तीन दिवसीय तारा सहेली प्रशिक्षण आयोजन

Wednesday, 04 April 2018

बीआरसी ऑफिस भगवानपुर में तारा अक्षर + कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय तारा सहेली प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

डवलपमट आल्टरनाटव नइ दिल्ला एव विलज डवलपमट सासायटा भगवानपुर के तत्वाधान से बी आर सी ऑफिस भगवानपुर मे तार सहेली प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें खंड शिक्षा अधिकारी श्री भीककम सिंह ने सभी को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व बताए और सभी को भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि वो एक पुण्य का काम करने जा रही हैं। यह प्रशिक्षण तीन अप्रैल से पांच अप्रैल तक चलेगा। इस कार्यक्रम में ब्लॉक भगवानपुर के 28 गांव से 45 तारा सहेलियों को दिया जा रहा है ।

प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद ये सभी तारा सहेली गांव में जाकर उन महिलाओं को शिक्षित करेंगी, जो तारा अक्षर प्लस केंद्र पर अक्षर ज्ञान ले चुकी हैं। अब यह अगले छह माह तक उनको स्वयंसेवी के रूप में ज्ञान चौपाली कार्यक्रम के तहत पढ़ाने का कार्य करेंगी। इस कार्यक्रम के द्वारा तार अक्षर केंद्र की नव साक्षर महिलाएं और गांव में अन्य महिलाएं जिनको अक्सर का ज्ञान है, पर वो अच्छे से लिख पढ नहीं सकती। उनको पूर्ण साक्षर किया जाएगा। और कार्यक्रम के दौरान भिन्न - भिन्न प्रकार की जानकारियां दी जाएंगी जैसे बैंक से संबंधित योजनाओं की जानकारी, सरकारी योजनाओं की जानकारी, महिलाओं के अधिकार, बाल अधिकार, वित्तीय साक्षरता, एवं एनआईओएस की परीक्षा की तैयारी कराई जाएगी।इस मौके पर प्रशिक्षक राजीव पांडेय, ब्लॉक समन्वयक राव, आस्कार अली,कार्यक्रम समन्यवक प्रवीण कुमार,वी डी एस के संस्थापक राजबहादुर सैनी, पारस सैनी नदीम व समस्त सुपरवाइजर स्टाफ उपस्थित रहा।